जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. बी.एस. द्विवेदी
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक– 39
दिनांक–30.04.2026

जनेकृविवि से डॉ. जी.के.कौतु, डॉ. मोनी थॉमस, डॉ. प्रतिभा परिहार एवं डॉ. अर्चना पांडे हुई सेवानिवृत्त
कुलपति डॉ. पी.के. मिश्रा ने दी भावभीनी विदाई

जबलपुर 30 अप्रैल, 2026। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के संचालक अनुसंधान सेवाएं डॉ. जी.के. कौतु, आईएबीएम के डायरेक्टर डॉ. मोनी थॉमस, खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. प्रतिभा सिंह परिहार एवं प्रोफेसर डॉ. अर्चना पांडे अपनी गौरवमयी सेवापूर्ण करके सेवानिवृत्त हुए। आप सभी की सेवानिवृत्ति पर भव्य अभिनंदन समारोह का आयोजन कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया, जिसमें कुलपति डॉ. पी.के. मिश्रा ने फूल माला, मोमेन्टों और शाल श्रीफल एवं रोली का टीका लगाकर भावभीनी विदाई दी। संचालक अनुसंधान सेवाएं डॉ. जी.के. कौतु अपनी 41 वर्षो की सेवायात्रा 1985 में सहायक प्राध्यापक के रूप में जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय,जबलपुर से आरंभ की, जहां आपने कृषि क्षेत्र में शिक्षा, अनुसंधान तथा नवाचार को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वहीं प्रशासनिक दायित्वों के रूप में भी महत्वपूर्ण कार्य किये। देश में प्रथम रंगीन कपास विकसित करना तथा धान की अनेक उच्च उत्पादक किस्मों का विकास आपकी वैज्ञानिक दृष्टि एवं नवाचार क्षमता का उत्कृष्ट उदाहरण है। बालाघाट चिनौर को जीआई टैग दिलाना तथा देशी किस्मों के संरक्षण एवं संवर्धन में आपका योगदान न केवल ऐतिहासिक है, बल्कि कृषि विकास को सहेजने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण भी है। आपके नेतृत्व में विश्वविद्यालय में अनुसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है तथा संस्थागत विकास को नई दिशा मिली है। आप बालाघाट कृषि महाविद्यालय में अधिष्ठाता के पद पर भी कार्य कर चुके हैं। इसकें अलावा कई परियोजनाओं में भी अपनी कुशलता और दूरदृष्टता से बेहतर परिणाम प्राप्त किए है।

आईएबीएम के डायरेक्टर डॉ. मोनी थॉमस 41 वर्षो से अधिक की उत्कृष्ट सेवापूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए। आपने 1985 से विश्वविद्यालय में सेवाएं प्रारंभ की। वर्ष 2002 से 2012 तक आपने मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री फेलों के रूप में अपनी सेवाएं दी। आपने मध्यप्रदेश में लाख उत्पादन को बढ़ावा देकर राज्य को भारत का तृतीय सबसे बड़ा लाख उत्पादक राज्य बनाने में योगदान दिया। आपने 201 शोध पत्र, 10 पुस्तकें, 8 पेटेंट प्रकाशित किए। 61 एमएससी एवं पीएचडी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन प्रदान किया। आपके नेतृत्व में 73 एग्री स्टार्टअप्स कंपनियों की स्थापना हुई। आपकों राष्ट्रीय स्तर पर 5, राज्य स्तर पर 3 सम्मान प्राप्त हो चुके हैं।

खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. प्रतिभा सिंह परिहार 41 वर्षो से अधिक की गौरवमयी सेवायात्रा पूर्ण कर जनेकृविवि से सेवानिवृत्त हुई। आपने विश्वविद्यालय में अपनी सेवा 1985 में रिसर्च एसोसिएट के रूप में आरंभ की। आपने 45 शोध पत्र, 30 पापुलर आर्टीकल,10 बुकलेट प्रकाशित किए। आपके मार्गदर्शन में 23 स्नातकोत्तर एवं पीएचडी की उपाधि प्राप्त की।

खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की प्रोफेसर डॉ. अर्चना पांडे भी अपनी 36 वर्षो की सेवापूर्ण कर सेवानिवृत्त हुई। आपने 1990 में अपनी सेवा जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर में आरंभ की। आपने कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केन्द्र में महत्वपूर्ण सेवाएं दी। इसके अलावा आपके मार्गदर्शन में मशरूम उत्पादन प्रौद्योगिकी में 22 एवं 26 कौशल प्रशिक्षण प्रदान किए गए हैं। आप 14 वर्ष तक प्रभारी राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के रूप में महत्वपूर्ण सेवाएं दी।

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

इन सभी विश्वविद्यालय के स्तंभों के सेवानिवृत्त होंने पर कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा एवं अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी संकाय डॉ. अतुल श्रीवास्तव, अधिष्ठाता कृषि उद्यानिकी संकाय डॉ.स्वाती बार्चे, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. विजय यादव, डीन डॉ. अल्पना सिंह, कुलसचिव डॉ. ए. के. जैन, लेखानियंत्रक श्रीमति संजू तिवारी, डॉ. उपलेखानियंत्रक डॉ. अजय खरे, डॉ. संजीव गर्ग, डॉ. अखिलेश तिवारी, डॉ. ब्रजेश दीक्षित, डॉ. दीपक राठी, डॉ. ज्ञानेन्द्र तिवारी, डॉ. नम्रता जैन, डॉ. अनुभा उपाध्याय, डॉ. बी.एस.द्विवेदी, डॉ. कीर्ति तंतुवाय, सहित प्राध्यापकों, वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों ने उनके कार्यकालों को स्मरण कर पुष्पगुच्छ देकर भावभीनी विदाई दी और उज्जवल भविष्य की कामना की।